www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 93 | जौनपुर, शुक्रवार, 20 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

विधानसभा चुनाव से पहले बढ़ी हलचल – संजय सिंह

लखनऊ, (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की। इस मुलाकात ने उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर दोनों दलों के बीच किसी संभावित राजनीतिक समझौते को लेकर अटकलों को जन्म दे दिया है। लगभग 40 मिनट तक चली यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब आप और समाजवादी पार्टी के बीच राजनीतिक मेल–जोल बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं, जबकि दूसरी ओर कांग्रेस के साथ आप के मतभेद भी साफ तौर पर देखे जा सकते हैं। इस मुलाकात ने राजनीतिक हलकों में इन अटकलों को हवा दे दी है कि दोनों दल आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ सकते हैं, या फिर आप समाजवादी पार्टी को अपना समर्थन दे सकती है। ये घटनाक्रम दोनों पार्टियों के नेताओं के बीच लगातार हो रही मुलाकातों के बीच सामने आए हैं, जिससे चुनावों से पहले एक व्यापक राजनीतिक समझौते की संभावना पर चर्चा शुरू हो गई है। इससे पहले बुधवार को, उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि पार्टी सीट–बंटवारे को अंतिम रूप देने के लिए अपने केंद्रीय नेतृत्व के साथ सार्थक बातचीत कर रही है। चल रही बातचीत के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए, मिश्रा ने संकेत दिया कि पार्टी अध्यक्ष के स्तर पर उच्च–स्तरीय विचार–विमर्श अंतिम चरण में है।

ओडिशा के पुरी में अलर्ट, पर्यटकों के समुद्र तट पर जाने पर लगी रोक

ओडिशा, (एजेंसी)। चक्रवाती तूफान 'अकवान' इस समय पश्चिम–मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित है। तूफान के प्रभाव से समुद्र अशांत हो गया है। तट पर ऊंची–ऊंची लहरें उठ रही हैं और असामान्य रूप से ऊंचे ज्वार देखे जा रहे हैं। इसकी वजह से ओडिशा में भी तेज हवाओं के साथ रुक–रुक कर भारी बारिश हो रही है। हालांकि, पुरी में अब तक चक्रवात का कोई बड़ा असर सामने नहीं आया है। जनजीवन सामान्य बना हुआ है, लेकिन समुद्री तट का नजारा पूरी तरह बदला हुआ नजर आ रहा है। जिन इलाकों में आमतौर पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ती थी, वे आज वीरान पड़े हैं। चक्रवात के संभावित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए पुरी जिला प्रशासन और पुलिस मुस्तैद है। एहतियात के तौर पर पर्यटकों को समुद्री तट से दूर रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। पुलिसकर्मी समुद्री तट पर तैनात हैं और लोगों को पानी के करीब जाने से रोक रहे हैं। समुद्र की उफनती लहरों और तेज हवाओं के बीच प्रशासन ने पर्यटकों से अपील की है कि वे समुद्र तट पर जाने से बचें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रथम एससीओ सभ्यतागत संवाद फोरम का करेंगे उद्घाटन



नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (शुक्रवार, 20 नवंबर) नई दिल्ली के पुराना किला में प्रथम शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यतागत संवाद फोरम का उद्घाटन करेंगे। शाम करीब 5:30 बजे आयोजित होने वाले उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। 20 से 22 नवंबर तक चलने वाले इस तीन दिवसीय फोरम में एससीओ सदस्य देशों के विद्वान, शिक्षाविद्, विषय विशेषज्ञ और सांस्कृतिक प्रतिनिधि एकत्रित होंगे। इसमें क्षेत्र की साझा सभ्यतागत विरासत, ऐतिहासिक संबंधों और सांस्कृतिक परंपराओं पर विचार–विमर्श किया जाएगा। फोरम का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने के साथ अंतर–सांस्कृतिक संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना है। प्रथम एससीओ सभ्यतागत संवाद फोरम की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस पहल का परिणाम है, जिसका प्रस्ताव उन्होंने वर्ष 2025 में चीन के तियानजिन में आयोजित एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान रखा था। प्रधानमंत्री ने एससीओ के ढांचे के तहत सभ्यतागत संवाद के लिए एक समर्पित मंच स्थापित करने का सुझाव दिया था। बाद में एससीओ की बिश्केक घोषणा में भी इस प्रस्ताव का स्वागत किया गया। इस पहल का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच केवल राजनीतिक और आर्थिक सहयोग तक सीमित न रहकर उनके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को भी नई मजबूती देना है। फोरम के उद्घाटन अवसर पर 'सभ्यताओं का संवाद दृ सांस्कृतिक प्रस्तुति' शीर्षक से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें संगीत, नृत्य, दृश्य कथावाचन और वर्णन के माध्यम से भारत तथा यूरेशिया के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंधों को प्रदर्शित किया जाएगा। 'वसुधैव कुटुम्बकम दृ विश्व एक परिवार है' की भारतीय अवधारणा पर आधारित यह प्रस्तुति विभिन्न सभ्यताओं के बीच साझा सांस्कृतिक मूल्यों और आपसी जुड़ाव को रेखांकित करेगी।

'इगास–बग्वाल लोक संस्कृति और परंपराओं की पहचान', सीएम धामी सहित अन्य नेताओं ने दी शुभकामनाए

मुबई, (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को प्रदेशवासियों को इगास बग्वाल (बूढ़ी दीपावली) की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। इसके साथ ही अपील की कि अपनी लोक परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प लें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी इगास पर्व की बधाई दी हैं। मुख्यमंत्री ने एक्स पर वीडियो संदेश में कहा, "समस्त प्रदेशवासियों को हमारी लोक संस्कृति, आस्था और गौरवशाली परंपराओं के प्रतीक लोकपर्व इगास (बूढ़ी दीपावली) की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। लोकपर्व इगास–बग्वाल हमारी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं की पहचान का प्रतीक है। ये पर्व हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने और अपनी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की प्रेरणा देता है।" उन्होंने कहा, "हमारे गांवों में दीपों की रोशनी, भेलो की उमंग और लोकगीतों की मधुर गूंज के साथ इस पर्व को खास बनाता है। अपनों के साथ मिलकर उत्सव मनाने की परंपरा विशेष बनाती है। यह पर्व हमें अपने गांव, मिट्टी और अपने लोगों के प्रति प्रेम का अहसास कराता है।" मुख्यमंत्री ने आगे कहा, "मैं जानता हूं कि बहुत से लोग रोजगार व अन्य कारणों से अपने गांव से दूर रहते हैं। त्योहारों पर उन्हें अपने घर, माता–पिता, गांव और बचपन की यादें जरूर आती होंगी। ऐसे लोग जहां भी रहें, वहां अपनी मिट्टी और संस्कृति से जुड़े रहें।



देश की पहली स्वदेशी बर्ड फ्लू वैक्सीन लॉन्च करेंगे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के पोल्ट्री क्षेत्र में बीमारी पर नियंत्रण को मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को पोल्ट्री (मुर्गी पालन) के लिए भारत की पहली 'स्वदेशी इनएक्टिवेटेड एच5एन1 हाईली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लूएंजा (एचपीएआई) वायरस वैक्सीन' लॉन्च करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि भोपाल स्थित



आईसीएआर–नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिसीज (आईसीएआर–एनआईएचएसएडी) ने 'बर्ड फ्लू' (जिसे एवियन इन्फ्लूएंजा भी कहा जाता है) जैसी घातक बीमारी के खिलाफ एक वैक्सीन विकसित की है। 'हाईली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लूएंजा' (एचपीएआई) को आमतौर पर 'बर्ड फ्लू' के नाम से जाना जाता है, मुर्गियों और अन्य पक्षियों के लिए यह एक बड़ा खतरा है। इसके प्रकोप से अक्सर पूरे झुंड के खत्म होने (मौत) का खतरा रहता है। बर्ड फ्लू के कारण न केवल बड़ी संख्या में पक्षियों को मारना पड़ता है और व्यापार पर प्रतिबंध लगाने पड़ते हैं, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय बाजारों को भी बाधित करता है, पोल्ट्री उत्पादों की कीमतें बढ़ाती हैं और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। भारत में 2006 में पहला मामला सामने आने के बाद से देश में एच5एन1 और एच5एन8 सबटाइप के 500 से अधिक प्रकोप (आउटब्रेक) देखे गए हैं। सरकारी अनुमानों के अनुसार, अगर इसका कोई बड़ा प्रकोप होता है तो भारत की जीडीपी वृद्धि में 1.5 प्रतिशत की कमी आ सकती है और देश की 20 प्रतिशत से अधिक पोल्ट्री आबादी खतरे में पड़ सकती है।

योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का निधन, पौड़ी गढ़वाल में ली अंतिम सांस

गोरखपुर, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शुक्रवार को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले स्थित उनके पैतृक गांव पंचूर में निधन हो गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शोक जताया है। पौड़ी गढ़वाल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सर्वेश पंवार ने 'पीटीआई–भाषा' से उनके निधन की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि सावित्री देवी का अंतिम संस्कार शनिवार को हरिद्वार में किए जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि पुलिस एवं जिला प्रशासन परिवार के सदस्यों के संपर्क में हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर



सिंह धामी ने सावित्री देवी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने इसे अत्यंत दुखद और हृदयविदारक समाचार बताते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि मां का स्नेह, आशीर्वाद और ममता जीवन की सबसे अनमोल पूंजी होती है और उनका निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। धामी ने बाबा केदार से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और योगी आदित्यनाथ सहित उनके शोकाकुल परिजनों को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मां के निधन की खबर मिलने के समय योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे, उन्हें दिन में दो अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल होना था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि वह अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए उत्तराखंड जाएंगे या नहीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मां का निधन जीवन के सबसे असहनीय दुखों में से एक है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी इस खबर को अत्यंत दुखद और हृदयविदारक बताते हुए ।

आतंकवाद के खिलाफ देशभर में एकसमान रणनीति पर होगा काम, हर थाने तक पहुंचेगी व्यवस्था - गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। आतंकवाद से निपटने के लिए अब देशभर में पुलिस थानों के स्तर तक एकसमान रणनीति पर काम करने की व्यवस्था विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के पूरे नेटवर्क को एक साथ ध्वस्त किए बिना इस लड़ाई में सफलता नहीं मिल सकती। अमित शाह ने गुरुवार को यह बात नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय आतंकवाद–रोधी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही। अमित शाह ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ



हाल में हुई कुछ सफल कार्रवाइयों से देश का विश्वास बढ़ा है। उन्होंने लश्कर के आतंकवादी लतीफ भट के मारे जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके बाद पूरा कश्मीर भारत में पैदा हुए आतंकवादियों की मौजूदगी से मुक्त हो गया है। शाह ने इसे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मजबूत मील का पत्थर बताते हुए कहा कि 35 साल बाद यह स्थिति आई है। गृह मंत्री ने कहा कि सफल एजेंसी की पहचान यह है कि वह आतंकवादी घटना को अंजाम दिए जाने से पहले ही आतंकवादियों को पकड़कर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दे। सभी राज्य पुलिस बलों को इस मॉडल का विश्लेषण कर इसे अपने यहां लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई केवल किसी घटना के बाद तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे नेटवर्क की पहचान कर उसे खत्म करने पर जोर देना होगा। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि शहजाद भट्टी नेटवर्क को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (न।च।) के तहत आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है। देशभर में इस नेटवर्क के 40 से अधिक मॉड्यूल नष्ट किए गए हैं। इसके खिलाफ 100 से अधिक मामले दर्ज हुए और 271 से अधिक गिरफ्तारियां की गई हैं। गृह मंत्री ने कहा कि आतंकवाद, संगठित अपराध और ड्रग्स की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए विदेश में बैठे दोषियों और सरगनाओं को भारतीय अदालतों के सामने लाना जरूरी है।

भारत को अगले साल 85 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्थाओं में मिलेगी तरजीही व्यापार पहुंच – पीयूष गोयल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत को अगले साल तक 85 ट्रिलियन डॉलर की वैश्विक जीडीपी वाले बाजारों में तरजीही व्यापार पहुंच मिलने की उम्मीद है। फिलहाल भारत को 70 ट्रिलियन डॉलर की वैश्विक जीडीपी वाले बाजारों में ऐसी पहुंच हासिल है। जारी व्यापार वार्ताओं के जरिए इसमें 15 ट्रिलियन डॉलर की और वृद्धि होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ प्रस्तावित समझौते सहित कई व्यापार



समझौतों को आने वाले महीनों में अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। दिल्ली में फिक्की की वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने वित्त वर्ष 2026–27 तक भारत के कुल निर्यात को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य दोहराया। उन्होंने उद्योग जगत और स्टार्टअप कंपनियों से वैश्विक बाजारों में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने और नए बाजारों तक पहुंच बनाने का यह महत्वपूर्ण अवसर है। गोयल ने कहा कि वैश्विक स्तर पर चुनौतियों और अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का निर्यात लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने बताया कि अक्टूबर में देश का निर्यात 90 अरब डॉलर रहा, जो अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। उन्होंने कहा, "हमें नहीं पता था कि यह साल किस तरह आगे बढ़ेगा। आज भी दुनिया में दो युद्ध जारी हैं। लेकिन जब आप किसी चीज को दिल से हासिल करना चाहते हैं, तो वह संभव हो सकती है।" 'भारत की विकास संबंधी अनिवार्यता रू वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था का निर्माण' विषय पर अपने समापन संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत को वैश्विक जरूरतों के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार बनना होगा। इसके लिए देश के भीतर ऐसी क्षमताएं विकसित करनी होंगी।

ग्वालियर में दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र को मिली गति, 25 कंपनियों को आशय पत्र वितरित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में दूरसंचार विनिर्माण को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने की दिशा में केंद्र सरकार ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक महत्वपूर्ण पहल की है। संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग ने मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में ग्वालियर के दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र में निवेश करने वाली 25 कंपनियों को आशय पत्र वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य देश में दूरसंचार विनिर्माण व्यवस्था को मजबूत करना, निवेश के नए अवसर पैदा करना और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दूरसंचार सेवाओं के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व स्थापित किया है। अब उद्योग के विकास का अगला चरण शुरू करने का समय है। भारत को सेवा प्रदान करने वाले देश से दूरसंचार उत्पादों का निर्माण करने वाला देश बनना होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की जिम्मेदारी ऐसा अनुकूल माहौल तैयार करना है, जिससे उद्योग अपनी विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के साथ उनका विस्तार भी कर सकें। सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण रहा है कि एक समय भारत दुनिया पर निर्भर था, लेकिन आज देश आत्मनिर्भर है। वह दिन दूर नहीं, जब दुनिया भारत पर निर्भर होगी। आने वाले दशक में इस दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में काम करना होगा। उन्होंने कहा कि यह भारत के साथ–साथ मध्य प्रदेश के लिए भी महत्वपूर्ण समय है।

जय श्रीराम के उद्घोष से लाखों श्रद्धालु पंचकोसी परिक्रमा कर रामलला का कर रहे दर्शन पूजन

सुरक्षा को लेकर एडीजी लखनऊ प्रवीण कुमार ने डीआईजी,डीएम एसएसपी व अन्य अधिकारियों के साथ संभाल रखी है कमान



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।कार्तिक मास की देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर रामनगरी अयोध्या में पंचकोसी परिक्रमा का शुभारंभ होते ही आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा।भोर से ही परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखाई देने लगीं।बुजुर्ग, युवा, महिलाएं और बच्चे सहित लाखों श्रद्धालु पंचकोसी परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित करते दिखाई दिये।पूरा परिक्रमा मार्ग जय श्रीराम के उद्घोष से गुंजायमान दिखाई दे रहा था। श्रद्धा, भक्ति और समर्पण के भाव के साथ श्रद्धालु रामनगरी की परिक्रमा कर रहे हैं।श्रद्धालु पंचकोसी परिक्रमा करने के बाद राम जन्मभूमि, हनुमानगढी, कनक भवन में जाकर दर्शन पूजन कर रहे थे साथ ही साथ लता चौक और राम की पैड़ी व सरयू नदी के तट पर आराम करते हुए दिखाई दिए।इस मौके पर श्रद्धालुओं की सेवा के लिए परिक्रमा मार्ग के किनारे स्वयंसेवी संस्थाओं और विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से सेवा शिविर लगाए गए हैं।इन शिविरों के माध्यम से परिक्रमार्थियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास सहित अनेक संत–महंत भी श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हैं।वहीं,विशाल धार्मिक आयोजन को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस महकमा पूरी तरह मुस्तैद है।श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को लेकर एडीजी लखनऊ जोन प्रवीण कुमार तथा डीआईजी अयोध्या रेंज सोमेन वर्मा स्वयं कमान संभाले हुए हैं।दोनों अधिकारियों ने डीएम शशांक त्रिपाठी व एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर वह अन्य प्रशासनिक व पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों के साथ परिक्रमा मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर सीआरपीएफ,पीएसी सहित पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।इसके साथ ही पूरे मेला क्षेत्र की गतिविधियों पर ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी कैमरों के जरिए पैनी नजर रखी जा रही है।आस्था के इस महापर्व में लाखों श्रद्धालुओं की उमड़ती भीड़ के बीच प्रशासन का पूरा जोर इस बात पर है कि किसी भी श्रद्धालु को सुरक्षा और सुविधाओं के लिहाज से परेशानी का सामना न करना पड़े।रामनगरी में भक्ति का माहौल है तो दूसरी ओर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारी लगातार पूरे मेला क्षेत्र मे भ्रमणशील दिखाई दिये।

संपादकीय

और कोई हल नहीं!

अस्थायी या अनुबंध आधारित नौकरियां सामान्यतरू पूर्णकालिक नौकरियों से कम वेतन वृद्धि और कम सुविधाएं देती हैं। इसलिए सवाल नौकरियां पैदा होने का नहीं, बल्कि यह है कि क्या वे पर्याप्त आय प्रदान कर रही हैं? आंकड़ों में कथित हेरफेर के जरिए चकमदार सुर्खियां बनवाने की नरेंद्र मोदी सरकार की प्राथमिकता जग–जाहिर रही है। लेकिन इनके बीच सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन एक ऐसी शख्सियत जरूर हैं, जो अक्सर हकीकत को मानते सुन लिए जाते हैं। अब फिर उन्होंने कुछ ऐसा कहा है, जो सरकारी प्रचार से अलग है। एक इंटरव्यू में नागेश्वरन ने कहा कि समस्या नौकरी पैदा होने की उतनी नहीं है, जितनी नौकरी से आमदनी होने की है। उन्होंने कहा– शविभिन्न सर्वेक्षणों और निजी क्षेत्र के आंकड़ों, जैसेकि नौकरी पोर्टलों के डेटा से पता चलता है कि नौकरियां बन रही हैं। लेकिन उनमें से अधिकतर अस्थायी या अनुबंध आधारित हैं। ऐसी नौकरियां आम तौर पर पूर्णकालिक नौकरियों की तुलना में कम वेतन वृद्धि और कम सुविधाएं देती हैं। इसलिए सवाल नौकरियां पैदा होने का नहीं, बल्कि यह है कि क्या वे पर्याप्त आय प्रदान कर रही हैं? यही सवाल सरकारी कथानकों से असहमत अर्थशास्त्री और विश्लेषक वर्षों से उठा रहे हैं। लेकिन उन पर ध्यान देने के बजाय सरकार ने रोजगार की परिभाषा ही बदलने का रास्ता अपनाया है। इस दौरान खेती या छोटे घरेलू कारोबार में अवैतनिक सहयोग करने वाले परिजनों को भी रोजगार–शुदा बताया जाने लगा है। ऐसे आंकड़ों के जरिए श्रम–शक्ति में अधिक भागीदारी और कम बेरोजगारी दर के दावे किए गए हैं। बहरहाल, अब सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने भी इस अति–महत्त्वपूर्ण प्रश्न से सहमति जताई है। हालांकि समाधान क्या है, इस पर उनके पास कहने को ज्यादा कुछ नजर नहीं आता। नागेश्वरन ने सरकारी प्रयासों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का भी उल्लेख किया, जिसके बेअसर रहने की खबरें अक्सर मीडिया में आती रही हैं। फिर उन्होंने मुक्त व्यापार समझौतों के जरिए श्रम–प्रधान वस्तुओं और सेवाओं के लिए नए बाजार खोलने की कोशिश, और अर्थव्यवस्था को विनियमित करने के फैसलों का उल्लेख किया। उन्होंने माना कि कोविड के बाद आर्थिक पुनरुद्धार मुख्य रूप से पूंजी निवेश और मुनाफे पर आधारित रहा है, ना कि रोजगार और आय वृद्धि पर। लेकिन क्या अब सरकार जो कदम उठा रही है, उसकी दिशा इससे अलग है?

ट्रंप के कूटनीतिक मायाजाल में फंस जाएंगे पुतिन और जिनफिंग



कमलेश

दुनिया को अपने शब्द जाल में फंसाकर, साम–दाम–दंड–भेद की रणनीति अपनाकर ष्मेक अमेरिका ग्रेट अगेनष् का स्वप्न संजोए राष्ट्रपति ट्रंप अपने इरादों में कितना कामयाब होंगे, यह तो गुजश्ता वक्त ही बताएगा। लेकिन भारत की कूटनीतिक स्वायत्ता और ग्लोबल साउथ की अगुवाई वाली रणनीति से अमेरिका इतना परेशान हो गया कि अब उन्हीं देशों के साथ टेबल की मेज पर बैठा हुआ है, जिनके खिलाफ वह अनवरत षड्यंत्र रचते आया है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर रूस और चीन की क्या अंतर्राष्ट्रीय मजबूरी है जो वे वैश्विक रूप से प्रभुत्वहीन हो चुके अमेरिका के साथ मेज साझा कर रहे हैं! कहीं ऐसा तो नहीं कि भारत की कूटनीतिक व रणनीतिक स्वायत्तता से ये दोनों भी भीतर ही भीतर विचलित हो रहे हैं। मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय दुनियादारी में भारत, अपने समकक्ष देशों यथा– फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका के अलावा यूरोपीय संघ, मध्यपूर्व के देशों और आशियान देशों के साथ जो समझदारी भरे रिश्ते विकसित कर रहा है, इससे भी अमेरिका, रूस और चीन का चिंतित होना स्वाभाविक है। ऐसे में अमेरिका, रूस और चीन के बीच उभरता त्रिकोणीय कूटनीतिक समीकरण केवल तीन महाशक्तियों के नेताओं की मुलाकात का विषय नहीं है, बल्कि इसके पीछे वैश्विक शक्ति संतुलन, रणनीतिक साझेदारियों, आर्थिक हितों और छोटे–बड़े देशों के भरोसे की बड़ी लड़ाई भी दिखाई देती है। ये देश नहीं चाहते कि इनके समानांतर कोई नया देश खड़ा हो और वह उनकी आवाज बने जिनका शोषण करते रहना इनकी नीतिगत फितरत है। यही वजह है कि इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या ट्रंप, रूस और चीन को आपसी मतभेदों, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और अपने–अपने सहयोगियों के हितों के बीच इस तरह उलझा सकते हैं कि दोनों देशों की विश्वसनीयता प्रभावित होने लगे? भले ही यह एक विचारणीय भू–राजनीतिक परिकल्पना है। हालांकि, इसे किसी प्रमाणित अमेरिकी डीप स्टेट योजना का नाम देना अभी उचित नहीं होगा, जबतक कि पूरा खेल स्पष्ट न हो जाए। वैसे भी ट्रंप कब क्या कहेंगे, कब पलटीमार देंगे, भरोसे के साथ कुछ नहीं कहा जा सकता। इन सबके पीछे उनका स्वार्थ कितना साधता है, सबकुछ इसी बात पर निर्भर करता है। पहला सवाल यह है कि ट्रंप की रणनीति का संभावित केंद्रीय सूत्र क्या है? तो जवाब होगा कि ट्रंप की विदेश नीति में व्यक्तिगत कूटनीति, आर्थिक सौदेबाजी और शक्ति प्रदर्शन को काफी महत्व मिलता है। रूस और चीन के साथ बातचीत के संभावित उद्देश्यों को निम्नलिखित तीन स्तरों पर समझा जा सकता हैरू– एक, रूस को साधनारू यूक्रेन युद्ध में समझौते के लिए पुतिन पर कूटनीतिक प्रभाव बनाना और मॉस्को के साथ अमेरिका के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करना, ताकि उसे लाभ होता रहे। दो, चीन को साधनारू व्यापार, तकनीक, दुर्लभ खनिजों और ताइवान जैसे मुद्दों पर बीजिंग से रियायतें हासिल करना, ताकि उनके उद्योगों के लिए रियायती कच्चा माल मिलता रहे। तीन, दोनों को एक मंच पर लानारू परमाणु हथियार नियंत्रण, ईरान और वैश्विक सुरक्षा के मुद्दों पर ऐसी बातचीत करना जिसमें अमेरिका अपनी भूमिका केंद्रीय बनाए रखना चाहे। हालांकि, इन सबमें एक महत्वपूर्ण विरोधाभास भी है। वह यह कि चीन और रूस की निकटता अमेरिका की उस पुरानी रणनीति को कमजोर करती है जिसमें दोनों महाशक्तियों के बीच मतभेदों का लाभ उठाकर वाशिंगटन अपनी स्थिति मजबूत करता था। दूसरा सवाल है कि रूस और चीन के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने सहयोगियों का भरोसा बनाए रखना होगा। खासकर भारत और ईरान आदि जैसे उभरते देशों का। यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, जो इसप्रकार हैरू– एक, रूस की विश्वसनीयतारू यदि पुतिन अमेरिका के साथ किसी बड़े समझौते में यूक्रेन, ईरान या अन्य रणनीतिक साझेदारों के हितों को नजरअंदाज करते दिखाई देते हैं, तो मॉस्को के सहयोगियों के बीच उसकी प्रतिबद्धताओं को लेकर सवाल उठ सकते हैं। दो, चीन की विश्वसनीयतारू यदि शी जिनपिंग अमेरिका के साथ किसी समझौते में ताइवान, ईरान या अपने दूसरे रणनीतिक साझेदारों के मुद्दों पर ऐसी रियायत देते हैं जिसे सहयोगी अपने हितों के विरुद्ध समझें, तो चीन की साझेदारी की विश्वसनीयता पर बहस हो सकती है। लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। रूस और चीन अपने सहयोगियों के साथ संबंधों को केवल अमेरिका के साथ बातचीत के आधार पर तय नहीं करते। उनके आर्थिक, सैन्य, राजनीतिक और क्षेत्रीय हित भी इसमें महत्वपूर्ण हैं। तीसरा सवाल यह है कि क्या ट्रंप दोनों महाशक्तियों को एक–दूसरे के विरुद्ध इस्तेमाल कर सकते हैं? तो यहां 1970 के दशक की अमेरिकी त्रिकोणीय कूटनीति याद आती है। तब अमेरिका ने सोवियत संघ और चीन के बीच मतभेदों का लाभ उठाकर बीजिंग के साथ संबंध बेहतर किए थे। इससे वाशिंगटन को मॉस्को के मुकाबले कूटनीतिक लाभ मिला था। लेकिन 2026 की परिस्थितियां बिल्कुल अलग हैं। वह यह कि रूस और चीन के बीच रणनीतिक साझेदारी पहले से अधिक मजबूत है। दोनों देश अमेरिकी प्रभुत्व को लेकर कई मुद्दों पर समान चिंताएं रखते हैं। दोनों के आर्थिक और कूटनीतिक हित एक–दूसरे से जुड़े हैं। अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ भी उसके संबंधों में कई बार अनिश्चितता दिखाई देती है। फिर भी आज अमेरिका के लिए रूस और चीन के बीच पुराने जमाने जैसी दरार पैदा करना आसान नहीं है। चौथा सवाल क्या यही अमेरिकी डीप स्टेट का गेम प्लान है? क्योंकि ट्रंप भी अब इनके सामने घुटने टेक चुके हैं। मिड टर्म चुनावों में अपनी रिपब्लिकन पार्टी की हुई फजीहत से बौखलाए हुए भी हैं। लिहाजा इस सवाल को तीन अलग–अलग अवधारणाओं में समझना जरूरी हैरू– एक, डीप स्टेटरू स्थायी प्रशासनिक, सुरक्षा और संस्थागत नेटवर्क का प्रभाव। दो, अमेरिकी रणनीतिक प्रतिष्ठानरू विदेश नीति, रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संस्थान एवं नीति निर्माता। तीन, ट्रंप की व्यक्तिगत कूटनीतिरू नेताओं से सीधे बातचीत और द्विपक्षीय सौदेबाजी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में सत्ता बदलने के बावजूद राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थानों, रक्षा प्रतिष्ठानों और विदेश नीति से जुड़े स्थायी हित बने रहते हैं। लेकिन यह मान लेना कि इन सभी संस्थानों का कोई एक गुप्त और सर्वसम्मत गेम प्लान है, मौजूदा उपलब्ध प्रमाणों से पुष्ट नहीं होता। इसलिए डीप स्टेट की परिकल्पना को एक राजनीतिक व्याख्या के रूप में देखना चाहिए, स्थापित तथ्य के रूप में नहीं। पांचवां सवाल यह है कि क्या 19 नवंबर की त्रिपक्षीय बैठक के पांच बड़े सवाल का संतुलित जवाब मिलेगा? चूंकि, ट्रंप, पुतिन और शी जिनपिंग की शेनझेन में प्रस्तावित त्रिपक्षीय बैठक पर पूरी दुनिया की नजरें बनी हुई हैं, क्योंकि इस बैठक से जुड़े पांच महत्वपूर्ण सवाल हैंरू एक, क्या यूक्रेन युद्ध के समाधान पर कोई साझा रास्ता निकलेगा? दो, क्या चीन को अमेरिका–रूस परमाणु हथियार नियंत्रण वार्ता में शामिल करने की कोशिश सफल होगी? तीन, क्या ईरान के मुद्दे पर रूस और चीन अमेरिकी दृष्टिकोण के करीब आएंगे?

कोई किसी की बी टीम नहीं होता

अजीत द्विवेदी

देश के राजनीतिक दलों को और खास कर बड़े नेताओं को इस तरह की टिप्पणी बंद कर देनी चाहिए कि अमुक पार्टी अमुक पार्टी की बी टीम है। अभी कांग्रेस के सभी बड़े नेता पंजाब गए थे, जहां संगरूर में राहुल गांधी की रैली में भाषण करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने आम आदमी पार्टी के लिए कहा कि वह भाजपा की बी टीम है। यह बात कांग्रेस के कई नेता पहले से कहते रहे हैं। अन्ना हजारे के आंदोलन के समय से अरविंद केजरीवाल पर इस तरह के आरोप लगते रहे कि वे भाजपा और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की मदद से आंदोलन कर रहे थे। जब उन्होंने पार्टी बनाई तब भी कहा गया कि भाजपा और संघ ने पार्टी बनवाई है। हो सकता है कि इन आरोपों में कुछ सचाई हो लेकिन किसी भी पार्टी की राजनीति का आकलन इस आधार पर नहीं किया जा सकता है कि उसके पीछे की प्रेरणा क्या थी? अगर यह देखेंगे तो 141 साल बाद भी इसमें अटके रह जाएंगे कि अंग्रेजों ने कांग्रेस पार्टी बनवाई थी और एओ ह्यूम उसके पहले अध्यक्ष थे। कांग्रेस का आकलन इस आधार पर नहीं किया जा सकता है कि अंग्रेजों ने सेफ्टी वॉल्व के तौर पर उसका गठन कराया था। उसका आकलन आजादी की लड़ाई में उसके ऐतिहासिक योगदान से होता है। इसलिए आम आदमी पार्टी का आकलन भी उसकी राजनीति और चुनाव में उसके प्रदर्शन के आधार पर होगा। अगर आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन की बात करें तो उसने दिल्ली में लगातार दो चुनाव भारतीय जनता पार्टी को हराया। 2015 के चुनाव में तो भाजपा सिर्फ तीन सीट पर आ गई थी। 2020 के चुनाव में उसका प्रदर्शन सुधरा तो वह आठ सीट जीती। तभी 2025 के चुनाव से पहले केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई और वे जेल गए। अगर केंद्रीय एजेंसियों द्वारा प्रताड़ित किए जाने वाले नेताओं की गिनती होगी तो आम आदमी पार्टी अव्वल आएगी। उससे ज्यादा किसी और पार्टी के नेता जेल नहीं भेजे गए और ऐसा नहीं है कि छोटे मोटे नेता जेल भेजे गए। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह यानी शीर्ष तीन नेता जेल गए। सत्येंद्र जैन और अन्य नेता भी जेल गए। अगर वह भाजपा की बी टीम है तो उसके नेताओं के साथ कम से कम ऐसा बरताव तो नहीं होना चाहिए! दूसरी बात यह है कि अगर आम आदमी पार्टी भाजपा की बी टीम है तो 2013 के चुनाव के बाद कांग्रेस ने भाजपा को सरकार बनाने से रोकने के लिए आप को समर्थन देकर केजरीवाल को सीएम क्यों बनवाया था? उससे भी बड़ा सवाल यह है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने आप को विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक में क्यों शामिल किया था? क्यों लोकसभा चुनाव में दिल्ली और हरियाणा में केजरीवाल की पार्टी के साथ कांग्रेस ने तालमेल किया था? क्या यह कांग्रेस की हिप्पोक्रेसी नहीं है कि वह एक तरफ आम आदमी पार्टी से चुनावी तालमेल करती है, सीट शेयरिंग करके चुनाव लड़ती है और फिर पंजाब की बारी आती है तो उसको भाजपा की बी टीम बता देती है? यह सिर्फ आम आदमी पार्टी के बारे में नहीं है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी से लेकर तृणमूल कांग्रेस और राजद तक ऐसे ही असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसलमीन यानी एआईएमआईएम को भी भाजपा की बी टीम बताते हैं। जहां भी एमआईएम चुनाव लड़ने पहुंचती है वहां कांग्रेस और अन्य पार्टियों के नेता उसको भाजपा की बी टीम बताना शुरू कर देते हैं। हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि राष्ट्रीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असदुद्दीन ओवैसी की उपलब्धियां समानुपातिक हैं। जिस अनुपात में भाजपा आगे बढ़ी है उसी अनुपात में एमआईएम भी बढ़ी है। पिछले 12 साल में एमआईएम पुराने हैदराबाद की गलियों से निकल कर देश भर की पार्टी बन गई है। 2019 के लोकसभा चुनाव में तो उसने महाराष्ट्र की औरंगाबाद लोकसभा सीट भी जीत ली थी। बिहार में लगातार दो चुनावों से उसके पांच विधायक जीत रहे हैं। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव में भी पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया। दिल्ली में भी पार्टी ने पैर जमा लिए हैं। लेकिन इस आधार पर एमआईएम को भाजपा की बी टीम बताना एक राजनीतिक दल और उसके कार्यकर्ताओं व निर्वाचित प्रतिनिधियों का अपमान करना होगा। हो सकता है कि ओवैसी की राजनीति का लाभ भाजपा को मिलता हो और यह भी संभव है कि उनको मिलने वाले वोट की वजह से कांग्रेस व अन्य भाजपा विरोधी पार्टियों को नुकसान होता हो। लेकिन क्या इस वजह से एमआईएम को राजनीति बंद कर देनी चाहिए? अगर ऐसा होने लगे तो फिर कोई भी प्रादेशिक या छोटी पार्टी राजनीति नहीं कर पाएगी। असल में भारत में पार्टियों को अगर किसी पार्टी से खतरा दिखता है तो उसे तुरंत दूसरी पार्टी का बी टीम बता दिया जाता है। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के चुनाव में कांग्रेस और लेफ्ट को ही भाजपा की बी टीम कहती थीं।

प्यार और अपनापन के साथ राजनीतिक नैरेटिव गढ़ती किताब



उमेश

गांधी–नेहरू परिवार भले ही सत्ता से दूर हो, लेकिन ऐतिहासिक कारणों की वजह से उसे देश के पहले राजनीतिक परिवार का दर्जा हासिल है। इस संदर्भ में सोनिया गांधी की किताब 'बिलांगिंग, ए जर्नी ऑफ लव' पर हो रही चर्चा स्वाभाविक है। चूंकि सोनिया राजनीतिक हस्ती हैं, इसलिए उनकी किताब पर उनके समर्थकों का लहालोट होना और उनके विरोधियों का उसमें मीन–मेख निकालना भी अजूबा नहीं है। सोनिया प्रचलित अर्थों में साहित्यकार भी नहीं है, लिहाजा इस किताब की परख साहित्यिक पैमाने पर करना बेमानी ही होगा। चूंकि सोनिया अब भी राजनीति में सक्रिय हैं, इसलिए इस किताब के राजनीतिक अर्थ भी निकाला जाना कोई नई बात नहीं है। आत्मकथा के बारे में कहा जाता है कि वह लेखक के नजरिए से उसका अपना अतीत होती है। अतीत को देखने के लिए हर एक का अपना नजरिया होता है, इसलिए हर व्यक्ति अपने हिसाब से घटनाओं को देखता और परखता है। इसलिए सोनिया की किताब को भी देखने और उसे समझने का हर व्यक्ति के लिए आधार अलग–अलग हो सकता है। सोनिया गांधी का नौ दिसंबर को इक्यासिवां जन्मदिन है। उस दिन वह जीवन के आठ दशक पूरे कर लेंगी। जिस तरह जन्मदिन के ठीक पहले किताब पर चर्चाओं की बाढ़ आई है और इसके जरिए नया राजनीतिक नैरेटिव खड़ा हो रहा है, उसे देखकर कहा जा सकता है कि सोनिया का अपने जन्मदिन पर इससे बड़ा कोई तोहफा नहीं हो सकता। मल्लिकार्जुन खरगे भले ही देश की सबसे पुरानी पार्टी के मुखिया हों, लेकिन असल कमान सोनिया और राहुल के ही हाथ हैं। कांग्रेस बेशक चर्चाओं में हो, लेकिन अब वह अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए जूझ रही है। उसके सामने 'करो या मरो' की हालत है। 2029 के आम चुनावों के जरिए केंद्रीय सत्ता में वापसी का उसे कठिन संघर्ष करना पड़ेगा। सोनिया को यह पता है। उनकी किताब भले ही अपनापन और प्यार की यात्रा हो, लेकिन वह कांग्रेस के राजनीतिक संघर्ष की बुनियाद खड़ी कर रही है। किताब जारी राजनीतिक घमासान को देखते हुए कहा जा सकता है कि सोनिया अपनी इस योजना में सफल हैं। कुछ ही महीनों बाद पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं। उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर और पंजाब में कांग्रेस उम्मीद कर सकती है। उत्तर प्रदेश में अपनी ताकत को कुछ और बढ़ाने के अलावा उसके सामने दूसरा विकल्प नहीं है। सोनिया की किताब इन राज्यों में कांग्रेस की संभावनाओं का आधार बन सकती है। कांग्रेस के कार्यकर्ता इस किताब को जिस तरह से लेकर मैदान में उतर पड़े हैं, वह पार्टी की इस रणनीति की ही गवाही दे रहा है। पांच सौ से कुछ ज्यादा पृष्ठों की इस किताब को मोटे तौर पर दो हिस्सों में पढ़ा जा सकता है। राजीव गांधी से मिलन, शादी के बाद भारतीय परिवार को अपनाना और इंदिरा–संजय से रिश्तों की जब तक किताब में विवरण आते हैं, वे पारिवारिक अनुभव देते हैं। हालांकि मेनका को लेकर उन्होंने जो लिखा है, एक दशक पहले मेनका के कहे शब्दों से अलग है। सोनिया ने देवरानी मेनका को लेकर लिखा है कि राजनीतिक महत्वाकांक्षा और संघ से जुड़ाव के चलते उन्हें परिवार से निकलना पड़ा। जो मेनका के बयान से उलट है। करीब एक दशक पहले सिमी ग्रेवाल के शो में मेनका ने गांधी परिवार से अपने निष्कासन को लेकर कहा था कि संजय की मृत्यु के बाद राजीव गांधी को जब इंदिरा राजनीति में लेकर आईं तो सोनिया ने मेनका से परिवार को बाहर करने की शर्त रखी थी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि सोनिया सही हैं या मेनका। वैसे इस घटना पर गांधी परिवार के करीबी पत्रकार खुशवंत सिंह ने भी लिखा है और उनकी राय भी सोनिया की राय से मेल नहीं खाती सोनिया की किताब में शामिल राजनीतिक घटनाओं के विवरण एक तरह से सोनिया के राजनीतिक व्यक्तित्व का विस्तार लगती है। हर लेखक की भांति सोनिया का भी हक है कि वे राजनीतिक घटनाओं को अपने नजरिए से पेश करें और उनकी व्याख्या करें। लेकिन सार्वजनिक जीवन में घटित कुछ ऐसी घटनाएं भी हैं, जिन पर अगर वे कुछ लिखेंगी भी तो उसे सहज स्वीकार नहीं किया जाएगा। 14 मार्च 1998 और 24 दिसंबर 2004 की घटनाओं को लेकर उनकी राय देश जानना ही चाहेगा। पहली तारीख को पिछड़े समुदाय से आने वाले कांग्रेस के अरसे बाद निर्वाचित अध्यक्ष सीताराम केसरी को तकरीबन अपमानित करके पद से हटाया गया था और दूसरी तारीख को प्रधानमंत्री रहे व्यक्ति के शव को कांग्रेस के मुख्यालय में घुसने तक नहीं दिया गया था। पहली घटना के बाद सोनिया के ही सिर कांग्रेस का ताज सजा था और दूसरी के वक्त सोनिया कांग्रेस की अघोषित सत्ता केंद्र थीं। इन घटनाओं के पीछे की वजहों को अगर आत्मकथा में जिक्र नहीं होता तो सवाल उठेंगे ही। भारत में राजनीतिक हस्तियों द्वारा आत्मकथाएं लिखने की लंबी परंपरा रही है। खुद सोनिया के नाना ससुर जवाहर लाल नेहरू ने भी अपनी आत्मकथा लिखी है। महात्मा गांधी की आत्मकथा सत्य के प्रयोग तो दुनियाभर में चर्चित है। राजेंद्र प्रसाद ने भी अपनी नजर से अपने अतीत में झांकने की कोशिश की है। लेकिन इन तीनों की आत्मकथाओं पर राजनीतिक वितंडा खड़ा नहीं हुआ। इसकी वजह यह रही कि तीनों ने अपने राजनीतिक नजरिए की बजाय अपने विचारों और संघर्षों पर फोकस किया। महात्मा गांधी जनवरी 1948 तक जीवित रहे। लेकिन अपनी आत्मकथा में उन्होंने 1920 तक की ही घटनाओं का जिक्र किया है। उनका कहना था कि इसके बाद का उनका जीवन सार्वजनिक है और उस पर दुनिया लिखे। उन्होंने अपनी आत्मकथा के बारे में कहा है कि वे सिर्फ उन आध्यात्मिक और नैतिक प्रयोगों का वर्णन करना चाहते हैं, जो दूसरों के लिए मार्गदर्शक बन सकें। नेहरू ने आत्मकथा को अपनी मानसिक विकास यात्रा और राजनीतिक संघर्षों को समझने का जरिया माना। उनका कहना रहा कि आत्मकथा के जरिए लेखक को अपने विचारों की स्पष्टता और अपने दौर के इतिहास को परखने का मौका मिलता है। सहज शख्सियत के मालिक डॉ. राजेंद्र प्रसाद मानते थे ।

2024 में हुआ वो 2026 में फिर हो रहा, सेना ने तारिक रहमान का फैसला मानने से किया इंकार



अभिनय

सेना का देश के प्रधानमंत्री को पौन घंटे का अल्टीमेटम सामने आता है। लाखों की भीड़ प्रधानमंत्री आवास की तरफ कूच कर रही है। आपके पास 45 मिनट है चाहे तो आप देश छोड़कर भाग सकती हैं। कुछ ही देर में प्रधानमंत्री का इस्तीफा होता है। 5 जुलाई को भारत अनुच्छेद 370 हटाए जाने के पांच साल पूरे होने के अवसर पर जम्मू कश्मीर के हालात और जश्न की खबरों में डूबा ही था कि दिन भर की गहमा गहमी के बीच एक कोड ।श्र।ग 1431 सामने आया। ये बांग्लादेश की राजधानी ढाका से उड़े सी–130 हर्कुलेस एयरक्रॉफ्ट का कॉल साइन था। दरअसल, प्रधानमंत्री आवास की ओर बढ़ती भीड़ और सेना के अल्टीमेटम के बीच ढाका से सेना का ही एक विमान उड़ता है और शेख हसीना को लेकर भारत के हिंडन एयरबेस पर लैंड होता है। तब से लेकर आज तक शेख हसीना भारत में हैं। लेकिन शेख हसीना अब अपनी सरजमीं पर वापस जाना चाहती हैं। दिसंबर के अंत तक वे बांग्लादेश जा सकती हैं। ऐसे में भारत ने बांग्लादेश के सामने दो शर्तें रखी हैं। पहली शर्त यह है कि उनके ऊपर जितने भी मुकदमे दर्ज किए गए हैं, उनमें उन्हें वकील मुहैया कराया जाए और निष्पक्षता के साथ उनके मामलों की जांच व ट्रायल हो। दूसरी शर्त यह है कि वे सेना (आर्मी) के नियंत्रण और सुरक्षा में बांग्लादेश जाएं, जिससे भारत को उनकी सुरक्षा की गारंटी मिल सके। यह तो अब तक की बात रही, लेकिन अब बांग्लादेश में अवामी लीग सड़कों पर है। वहां आज फिर वैसे ही हालात हैं जैसे 2024 में थे। बस फर्क इतना है कि तब लोग शेख हसीना के खिलाफ सड़कों पर उतरे थे और आज उनके समर्थन में उतरे हैं। तारिक रहमान की सरकार के खिलाफ गारमेंट सेक्टर से जुड़े लगभग 40–50 लाख मजदूर भी वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर सड़कों पर हैं। साथ ही, उस दौर में बनी नई पार्टी श्एनसीपीश (छब्द) भी फिलहाल रहमान सरकार के खिलाफ विरोध कर रही है। पिछले तीन हफ्तों से बांग्लादेश के गारमेंट सेक्टर में अशांति (अनरेस्ट) चल रही है और अब तक 200 से ज्यादा गारमेंट फैक्ट्रियां बंद कर दी गई हैं। इस सेक्टर में तकरीबन 65 लाख मजदूर काम करते हैं, जो इस महीने बेरोजगार हो जाएंगे। गारमेंट मजदूरों ने श्बीबीसी बांग्लाश को बताया है कि उनकी हालत इतनी खराब है कि वे रात को बिना खाए सो जाते हैं। महंगाई इतनी बढ़ गई है और वेतन इतना कम है कि उन्हें खाने को भी नहीं मिल रहा है। इसके साथ ही, 15 नवंबर से शेख हसीना के गृह जिले गोपालगंज में उनके समर्थन में आंदोलन शुरू हो गया है। सरकार ने वहां पुलिस, बॉर्डर गार्ड (ठळठ) और श्अंसारश बल को भेजा है। सरकार ने सेना को भी भेजने का अनुरोध किया था, लेकिन सेना ने जाने से साफ मना कर दिया। वहां बॉर्डर गार्ड की 41 प्लाटून तैनात की गई हैं। हमें अभी खबरें मिल रही हैं कि गोपालगंज पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मी अपना सामान समेट कर वहां से जा रहे हैं। गोपालगंज में बीएनपी (ठछच) के सांसद के घर में आग लगा दी गई है और देश भर में मोहम्मद यूनुस के श्ग्रामीण बैंकश की अब तक 23 शाखाओं को आग के हवाले किया जा चुका है। बांग्लादेश के मौजूदा हालात को देखते हुए अवामी लीग ने कल, 19 नवंबर को पूरे देश में लॉकडाउन (बंद) की घोषणा की है। कम से कम 30 जिलों में अवामी लीग का यह आंदोलन शुरू हो जाएगा। अभी यह सिर्फ गोपालगंज में है, लेकिन जल्द ही 29 अन्य जिलों में भी फैल जाएगा। पुलिस इस समय पूरी तरह से हतोत्साहित (डीमोरलाइज्ड) है, क्योंकि 2024 में कई पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई थी और उसका कोई न्याय नहीं हुआ, बल्कि हत्यारों को कानूनी छूट (इम्युनिटी) दे दी गई थी। जहां तक यूनुस की पार्टी की बात है, जिसे लोग एनसीपी कहते हैं वह सड़कों पर कहीं नजर नहीं आ रही है। जमात–ए–इस्लामी भी सड़कों पर नहीं है। जमात–ए–इस्लामी ने घोषणा की है कि यदि बीएनपी श्नेशनल रिवोल्यूशनरी सरकारश की घोषणा करती है यानी सत्ता की बागडोर यूनुस के हाथों में सौंपती है। तभी जमात बीएनपी की मदद करेगी। फिलहाल न तो जमात बीएनपी के साथ है और न ही कोई अन्य दल। अवामी लीग भी सीधे तौर पर बीएनपी के खिलाफ है। केंद्र में तो तब भी शेख हसीना ही थीं और आज भी हैं। उस वक्त भी सड़कों पर बवाल मचाया गया था और आज भी वैसा ही हो रहा है। फर्क यह है कि 2024 में लोगों को यह कहकर भड़काया गया था कि शेख हसीना की सरकार बिल्कुल बेकार है, इसे हटाओ, हम बांग्लादेश को श्सोने का देशश बनाएंगे और यह करेंगे, वह करेंगे। लेकिन जब शेख हसीना चली गईं, तो पहले यूनुस के शुरुआती 18 महीनों में ही लोगों ने देख लिया कि उनके साथ बड़ा धोखा हुआ है। अभी जो फर्क ये है कि उस वक्त लोग शेख हसीना को हटाने के लिए सड़कों में आए थे और अभी लोग शेख हसीना को वापस लाने के लिए सड़कों में आए हैं क्योंकि उसको महसूस हो गया कि शेख हसीना के जमाने में बांग्लादेश की इकॉनमी प्रोस्पर कर रहा था और भारत से भी बहुत मदद मिल रही थी। भारत की 12 दिसंबर के बाद ये गंगा की जो पानी है बांग्लादेश को मिलने वाला है। यानी कि एग्रीमेंट एक्सटेंशन नहीं हुआ। तारिक रहमान के सरकार ने भारत के साथ दुश्मनी पैदा कर ली है। हालात ऐसे बन जाएंगे कि लाखों लोग सड़कों पर उतर आएंगे। और जब लाखों लोग सड़कों पर उतरते हैं, तो स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना (आर्मी) की जरूरत पड़ती है। सेना को यह महसूस हो गया है कि यह सरकार जितने भी काम कर रही है, वे सब देश के खिलाफ हैं। प्रधानमंत्री का आदेश मानना जरूरी तो होता है, मगर सूत्रों की मानें तो फिलहाल बांग्लादेश की सेना ऐसा नहीं कर रही है। इसकी वजह यह है कि पहले जब शेख हसीना के समय में सेना सड़कों पर उतरी थी, तो बाद में तारिक रहमान और यूनुस ने चुन–चुन कर सैन्य अधिकारियों (आर्मी ऑफिसर्स) और जनरलों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए और उन्हें जेल में डलवाया। इसलिए सेना अब यह समझ रही है कि अगर वे फिर से सड़कों पर जाएंगे, तो उन्हें दोबारा जेल में डाल दिया जाएगा। भला कौन जेल जाना चाहता है? खबर तो ये भी है कि पुलिस भी अब आगे आने के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि पहले उन पर भी कार्रवाई हुई और उन्हें जेल भेजा गया। यही कारण है कि सेना अभी बिल्कुल तटस्थ (न्यूट्रल) है। सेना यह समझ रही है कि जनता को भी अब यह महसूस हो गया है।

दीपावली और छठ पर 12 दिनों में दो करोड़ से अधिक यात्रियों ने रोडवेज बसों से किया सफर

लखनऊ, (संवाददाता)। दीपावली और छठ पर्व के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की विशेष बस व्यवस्था से 12 दिनों में दो करोड़ से अधिक यात्रियों ने सफर किया। यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए 6 से 17 नवंबर तक प्रदेश के प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया गया, जिससे त्योहारों पर घर जाने वाले लोगों को आवागमन में सहूलियत मिली।परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि पर्वों के दौरान विशेषकर पूर्वांचल जाने वाले यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि होती है। प्रदेश के विभिन्न महानगरों और दूसरे राज्यों के औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले लोग त्योहार मनाने के लिए अपने घर लौटते हैं। इसे देखते हुए परिवहन निगम ने यात्रियों की जरूरत के अनुसार अतिरिक्त बसें चलाकर यात्रा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखाउन्होंने बताया कि 6 नवंबर को 18.06 लाख, 7 नवंबर को 16.72 लाख, 8 नवंबर को 17. 36 लाख, 9 नवंबर को 14.12 लाख, 10 नवंबर को 16.42 लाख, 11 नवंबर को 19.45 लाख, 12 नवंबर को 19.26 लाख, 13 नवंबर को 22.40 लाख, 14 नवंबर को 20.07 लाख, 15 नवंबर को 20.13 लाख, 16 नवंबर को 17. 15 लाख और 17 नवंबर को 31.27 लाख से अधिक यात्रियों ने निगम की बसों से यात्रा की। अंतिम दिन यात्रियों की संख्या सबसे अधिक रही।परिवहन मंत्री ने कहा कि त्योहारों पर बसों की कमी से यात्रियों को परेशानी न हो, इसके लिए अधिकारियों, कर्मचारियों और चालक–परिचालकों ने समन्वय के साथ काम किया। अतिरिक्त बसों के संचालन और बेहतर प्रबंधन से यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

व्यावसायिक परीक्षा की तारीख बदली, अब 28 दिसंबर को होगी अभियंता अधिकारियों की परीक्षा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के विद्युत प्रशिक्षण संस्थान ने अभियंता अधिकारियों की व्यावसायिक परीक्षा भाग–1 और भाग–2 की तारीख में संशोधन किया है। पहले यह परीक्षा 19 दिसंबर 2026 को प्रस्तावित थी, जिसे अब 28 दिसंबर 2026 को आयोजित किया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अधिकारियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। संस्थान की ओर से जारी संशोधित आदेश के अनुसार वैद्युत एवं यांत्रिकी तथा जानपद संवर्ग के अभियंता अधिकारियों की यह परीक्षा वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है। इस वर्ष की दूसरी छमाही की परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन की वेबसाइट sso.uppcl.org के माध्यम से आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ निर्धारित योग्यता प्रमाण–पत्र अपलोड करना अनिवार्य है। भाग–1 के अभ्यर्थियों को योग्यता प्रमाण–पत्र के साथ लेखा कार्य में दक्षता संबंधी प्रमाण–पत्र भी देना होगा, जबकि भाग–2 के लिए केवल योग्यता प्रमाण–पत्र अपलोड करना होगा।आदेश के मुताबिक ऑनलाइन आवेदन पांच नवंबर से पांच दिसंबर 2026 की शाम पांच बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। डाक या ई–मेल से भेजे गए आवेदन मान्य नहीं होंगे। अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र अपने नियंत्रक अधिकारी से प्रमाणित कराकर ऑनलाइन जमा करना होगा।

डोमिनगढ़ स्टेशन पर महिला रेलकर्मियों का उत्कृष्ट संचालन

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अंतर्गत डोमिनगढ़ स्टेशन महिला रेलकर्मियों के कुशल संचालन और बेहतर यात्री सेवाओं का उदाहरण बनकर उभरा है। स्टेशन अधीक्षक से लेकर आरक्षण, उद्घोषणा, सुरक्षा और परिचालन तक की जिम्मेदारियां महिला कर्मचारी संभाल रही हैं। उनके कार्यों की सराहना करते हुए मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने सात महिला कर्मचारियों को 500–500 रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।गोरखपुर से लौटते समय गौरव अग्रवाल ने मंगलवार देर शाम स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं और सौंदर्यीकरण के कार्यों की प्रगति देखी। उन्होंने प्लेटफॉर्म संख्या एक पर बिटुमिनस कंक्रीट की सतह, कॉपिंग स्टोन बदलने के कार्य और प्लेटफॉर्म के किनारे लगाई गई रेल फेंसिंग का जायजा लिया। इसके साथ ही स्टेशन परिसर में स्थापित महात्मा बुद्ध की प्रतिमा का भी अवलोकन किया।

शिशु विहार केंद्र के बच्चों को मिले खिलौने और स्नैक्स

लखनऊ, (संवाददाता)। राष्ट्रीय बाल दिवस के अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन, लखनऊ की ओर से मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित शिशु विहार केंद्र में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मंडल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रुति गुप्ता ने बच्चों को विभिन्न प्रकार के खिलौने, खेल सामग्री और स्नैक्स पैकेट वितरित किए।बच्चों के मनोरंजन और उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में स्लाइडर, हॉर्स राइडर, जिराफ राइडर, थ्री–वे रॉकर और साइकिल राइड–ऑन जैसे खिलौने भेंट किए गए। इसके अलावा बच्चों के बैठने के लिए छोटी कुर्सियां भी उपलब्ध कराई गईं। नई खेल सामग्री और उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

कुलपति ने सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष का किया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध जौनपुर एवं गाजीपुर जनपद के महाविद्यालयों में आयोजित परीक्षाओं की निगरानी विश्वविद्यालय परिसर स्थित सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष से की जा रही है। शुक्रवार को कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह के साथ सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से महाविद्यालयों में संचालित परीक्षाओं का अवलोकन किया और परीक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। दोनों जनपदों में कुल 380 परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था की गई है। परीक्षाएं तीन पालियों में आयोजित की जा रही हैं। प्रथम पाली में बीएससी प्रथम सेमेस्टर के हेल्थ केयर मैनेजमेंट तथा एमए म्यूजिक प्रथम सेमेस्टर के तबला एवं गायन विषय की परीक्षाएं संपन्न हुईं। द्वितीय पाली में बीए तृतीय सेमेस्टर के अंग्रेजी विषय की परीक्षा 278 केंद्रों पर आयोजित की गई। वहीं, तृतीय पाली में बीए पंचम सेमेस्टर के संस्कृत एवं म्यूजिक (वाद्य एवं गायन), बीएससी पंचम सेमेस्टर के माइक्रोबायोलॉजी तथा एमकॉम के कॉमर्स विषय की परीक्षाएं आयोजित की गई हैं। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने नियंत्रण कक्ष में उपलब्ध निगरानी व्यवस्था का जायजा लेते हुए परीक्षा की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं शुचिता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी के माध्यम से परीक्षा केंद्रों की सतत निगरानी परीक्षा व्यवस्था को सुचारु और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।सीसीटीवी निगरानी समिति के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव, नियंत्रण कक्ष प्रभारी करुणा निराला एवं उनकी टीम द्वारा निगरानी व्यवस्था का संचालन किया जा रहा है। परीक्षाओं को शुचितापूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए केन्द्राध्यक्षों हेतु विस्तृत दिशा–निर्देश जारी किए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार, परीक्षा की निगरानी पूरी तरह वॉयस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी कैमरों के जरिए की जाएगी, जिसकी रिकॉर्डिंग कम से कम 60 दिनों तक सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा। प्रत्येक कक्ष में न्यूनतम दो कैमरे लगेंगे और प्रश्नपत्र भी कैमरों की निगरानी में केन्द्राध्यक्ष व दो कक्ष निरीक्षकों के हस्ताक्षर के बाद ही खोले जाएंगे।

अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा जगदीशपुर-नेवादा सड़क मार्ग

जर्जर टूटे फूटे सड़क पर गंदे जल–भराव के कारण राहगीरों एवं स्थानीयजनों को आवागमन में उठानी पड़ रही भारी परेशानी, क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि भी सड़क को गढ्ढामुक्त कराने में नही ले रहे कोई रूचि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। एक तरफ जहां सरकार के द्वारा सड़को को गड्ढा मुक्त बनाने का अभियान चलाया जा रहा है वहीं दूसरी ओर क्षेत्र के जगदीशपुर चौराहा से राजकीय पालिटेक्निक कालेज होते हुए नेवादा चौराहा को जाने वाला सड़क मार्ग सरकार के गढ्ढामुक्त अभियान को कई वर्षों से मुंह चिढ़ा रहा है। क्योंकि उक्त सड़क जगह–जगह टूट जाने के कारण सड़क में बड़े–बड़े गड्ढे बन गये है। सड़क में बने गड्ढे के कारण हल्की बरसात होते ही उक्त सड़क पानी से लबालब हो जाता है। सड़क पर भारी जल जमाव के कारण राहगीरों एवं स्थानीय जनों की स्थिति आवागमन को लेकर नारकीय बन जाता है। उक्त सड़क पर हमेशा जल जमाव रहता है जिसके कारण होने से पैदल चलने वाले लोगों के साथ–साथ वाहन चालकों को भी भारी मुसीबत का सामना करना पड़ता है। इस जर्जर टूटे फूटे जल जमाव युक्त सड़क पर कब कौन गिरकर घायल हो जाए कुछ कहा नहीं जा सकता। यहां तक कि जल निकासी के लिए जो सड़क के बगल में नालियां बनवाई गयी है। वह भी सड़क से ऊॅची होने के कारण जल निकासी के अभाव में उक्त सड़क हमेशा झील में तब्दील रहता है जिससे राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। सड़क के आस–पास रहने वाले लोगों का बुरा हाल है उक्त भीषण जल जमाव के कारण अगल–बगल रहने वाले लोगों को भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा रहा है। बताया जाता है कि शासन–प्रशासन के साथ–साथ सांसद, विधायक के द्वारा इस समस्या के निवारण के लिए कोई कार्य नहीं किया जा रहा हैं जिससे ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों का ध्यान उक्त प्रकरण की ओर आकृष्ट कराते हुए जनहित में तत्काल जगह–जगह सड़क में हुए गड्ढों को ठीक करवाने की मांग की है।

कबड्डी में पूर्वांचल और आजमगढ़ विश्वविद्यालय ने दर्ज की शानदार जीत, अखिल भारतीय प्रतियोगिता के लिए किया क्वालीफाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय कबड्डी (पुरुष) प्रतियोगिता 2026–27 के तहत शुक्रवार को विभिन्न विश्वविद्यालयों की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए। खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, दमदार प्रदर्शन और बेहतर टीम समन्वय का परिचय देते हुए दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। कई मुकाबलों में टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, तो कुछ मैचों में विजेता टीमों ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की। अंतिम आठ में जगह बनाने वाली टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल मैच हुए। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मेजबान वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम का सामना पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से हुआ। रोमांचक मुकाबले में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने 44–22 अंकों से जीत दर्ज की। दुसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय को 48–18 अंकों के बड़े अंतर से पराजित किया। इस जीत के साथ ही पूर्वांचल और आजमगढ़ विश्वविद्यालय की टीम ने अखिल भारतीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया। पूरे मुकाबले में टीम का प्रदर्शन दमदार रहा। तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला एल.एन. मिथिला विश्वविद्यालय और डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय के बीच और चौथा क्वार्टर किट विश्वविद्यालय और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के बीच खेल जारी रहा । प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में एसजी गुरु विश्वविद्यालय ने 55–33 अंकों से बीएनएम विश्वविद्यालय को पराजित किया। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आरआईएस विश्वविद्यालय को 42–27 से शिकस्त दी। एसएमके विश्वविद्यालय और नॉर्थ लखीमपुर विश्वविद्यालय के बीच हुए मुकाबले में एसएमके विश्वविद्यालय ने 61–24 से जीत हासिल की। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने एसएमपी विश्वविद्यालय के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाते हुए 47–25 से मुकाबला अपने नाम किया। वहीं, यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान के विरुद्ध मिथिला विश्वविद्यालय की टीम ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए 42–11 से शानदार जीत दर्ज की। अन्य मुकाबलों में वीकेएसयू आरा ने सीसीएसबी गया विश्वविद्यालय को 36–6 से हराया। किट विश्वविद्यालय ने एचसीवाई विश्वविद्यालय को 32–17 से पराजित किया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने एफएम विश्वविद्यालय के खिलाफ 56–13 से बड़ी जीत दर्ज की। वहीं, मिथिला विश्वविद्यालय ने एक अन्य मुकाबले में वीकेएस विश्वविद्यालय को 57–28 से शिकस्त दी। प्रतियोगिता के दूसरे दौर में भी खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय ने संघर्षपूर्ण मैच में एसजी गुरु विश्वविद्यालय को 30–27 से हराया। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय और एसएमके विश्वविद्यालय के बीच बेहद करीबी मुकाबला हुआ, जिसमें रविशंकर विश्वविद्यालय ने 22–20 से जीत हासिल की। वहीं, किट विश्वविद्यालय ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय को 44–25 से पराजित कर अगले दौर में अपनी स्थिति मजबूत की। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद यादव, डॉ. शेखर सिंह, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. प्रशांत राय, रजनीश सिंह, राजेश सिंह समेत ताम लोग उपस्थित रहे।

एयरटेल भारत का सबसे मूल्यवान ब्रांड है – कैंटार ब्रांडज इंडिया 2026

आर एल पाण्डेय



लखनऊ। डेटा, एनालिटिक्स और एआई के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी कंपनी श्कैंटारश ने एयरटेल को भारत का सबसे मूल्यवान ब्रांड माना है। 2014 में श्कैंटार टॉप 100 मोस्ट वैल्युएबल इंडियन ब्रांड्स रैंकिंग की शुरुआत के बाद से, यह पहली बार है जब किसी टेलीकॉम कंपनी ने इसमें नंबर 1 स्थान हासिल किया है। पिछले एक साल में इस टेलीकॉम कंपनी की ब्रांड वैल्यू में 5% की बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह 43.2 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई है। 2020 के बाद से एयरटेल की ब्रांड वैल्यू में 210: की बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य कारण ब्रांड इक्विटी में लगातार निवेश करना और कंपनी का केवल कनेक्टिविटी प्रदाता से बदलकर एक व्यापक डिजिटल इकोसिस्टम के रूप में विकसित होना है। श्एयरटेल थैंक्सश और श्एयरटेल ब्लैकश जैसी एकीकृत पेशकशों के जरिए ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाया गया है। वहीं, 5जी प्लस और एआई–आधारित श्सेफ पेश फ्रॉड डिटेक्शन सिस्टम जैसे नवाचारों ने ग्राहकों का भरोसा और मजबूत किया है। पुरस्कार स्वीकार करते हुए, भारती एयरटेल के मुंबई सर्कल के सीईओ, अमित रवींद्र देशपांडे ने कहारू ष्न्यन्यवाद, कैंटार । यह पुरस्कार मिलना सम्मान की बात है, और मैं इसे एयरटेल के हर कर्मचारी और हम पर भरोसा करने वाले हर ग्राहक की ओर से स्वीकार करता हूँ। कुल 460.3 अरब अमेरिकी डॉलर की कीमत वाले, भारत के श्कैंटार ब्रांडज टॉप 100 मोस्ट वैल्युएबल ब्रांड्सश आर्थिक विकास के एक मजबूत इंजन बने हुए हैं। इनकी कुल वैल्यू देश की जीडीपी के 11: के बराबर है। कुल मिलाकर, इस रैंकिंग में शामिल ब्रांड्स की वैल्यू में पिछले साल के मुकाबले 12: की गिरावट आई है, क्योंकि ये ब्रांड्स एआई–आधारित बदलाव की ओर बढ़ने के दबाव का सामना कर रहे हैं। दुनिया के अन्य हिस्सों में, एआई–आधारित टेक्नोलॉजी और मीडिया कैटेगरी ब्रांड वैल्यू बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही हैं, जबकि भारत में इनका प्रभाव अभी कम है। इसके बावजूद, भारत के सबसे मजबूत ब्रांड्स लगातार बेहतरीन रिटर्न दे रहे हैं। श्कैंटार ब्रांडज इंडियाश पोर्टफोलियो ने सेंसेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, और 2020 के बाद से टॉप 75 ब्रांड्स की वैल्यू में 100: की बढ़ोतरी हुई है, जो जीडीपी की विकास दर से कहीं अधिक है।

जीआईटीएम इंजीनियरिंग कॉलेज, लखनऊ में डॉ. अब्दुल कलाम जोनल स्पोर्ट्स फेस्ट 2026/27 (लखनऊ जोन) का भव्य शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय



लखनऊ। गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन इंजी. महेश कुमार अग्रवाल के संरक्षण में जीआईटीएम इंजीनियरिंग कॉलेज, लखनऊ में बहुप्रतीक्षित डॉ. अब्दुल कलाम जोनल स्पोर्ट्स फेस्ट 2026/27 (लखनऊ जोन) का उत्साह एवं भव्यता के साथ शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में डॉ. ए. पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू), उत्तर प्रदेश के प्रो–वाइस चांसलर डॉ. राजीव कुमार, उप कुलसचिव डॉ. आयुष श्रीवास्तव, कर्नल मुकुल सिसोदिया तथा एकेटीयू के डीन (अनुसंधान एवं विकास) डॉ. भावेश कुमार चौहान ने विशिष्ट अतिथियों के रूप में गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर डॉ. आलोक जैन, निदेशक (समन्वय एवं योजना) भी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन, खेल मशाल प्रज्वलन, मार्च पास्ट एवं खिलाड़ियों को खेल शपथ दिलाने के साथ हुआ। इसके पश्चात रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जीआईटीएम के निदेशक डॉ. ऋषि अस्थाना ने संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। दो दिवसीय इस खेल महोत्सव में लखनऊ जोन के 50 से अधिक संस्थानों के 2,500 से अधिक विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, कबड्डी, खो–खो, टेबल टेनिस एवं शतरंज सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया जा रहा है।

रक्षा सेवाओं में करियर बनाने के लिए बेटियों को किया प्रेरित, महिला सुरक्षा और संपत्ति अधिकारों पर सख्त निर्देश

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने छात्राओं से किया संवाद, अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर महिला शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण पर दिया जोर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने शुक्रवार को जौनपुर में छात्राओं को भारतीय सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज बेटियां शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, खेल और प्रशासन के साथ रक्षा सेवाओं में भी अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं। सही जानकारी और मार्गदर्शन के अभाव में किसी भी बेटी का सपना अधूरा नहीं रहना चाहिए। तिलकधारी सिंह इंटर कॉलेज के मार्कंडेय सिंह सभागार में आयोजित 'शी सर्वस' (िमे मतअमे) कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों में सेवा करना केवल रोजगार नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रसेवा का गौरवशाली अवसर है। महिलाएं अब सेना में स्थायी कमीशन, वायुसेना में फाइटर पायलट और नौसेना में महत्वपूर्ण ऑपरेशनल भूमिकाएं निभा रही हैं। एनडीए के माध्यम से भी बेटियों के लिए अवसर बढ़े हैं। उन्होंने छात्राओं से आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित कर बड़े लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया। उन्होंने कीर्ति चक्र से सम्मानित सीओ शाहगंज प्रतिमा वर्मा के साहस और देशभक्ति का उदाहरण देते हुए छात्राओं को प्रेरित किया। इस दौरान रक्षा सेवाओं में प्रवेश और चयन प्रक्रिया की जानकारी देने वाली राष्ट्रीय महिला आयोग की पुस्तिका 'कदम कदम बढ़ाए जा' का भी उल्लेख किया। राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में बेटियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके बाद अध्यक्ष ने विकास भवन में महिला जनसुनवाई कर पीड़ित महिलाओं की शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह सहित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में महिला सुरक्षा, उत्पीड़न, संपत्ति अधिकार और आर्थिक सशक्तिकरण की समीक्षा की। उन्होंने परित्यक्त महिलाओं और उनके बच्चों को सरकारी योजनाओं एवं विधिक सहायता से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने महिला किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा और अन्य कृषि योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जागरूकता शिविर लगाने तथा बीसी सखी के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। महिलाओं की भूमि और संपत्ति पर अवैध कब्जे तथा विवादों के निस्तारण के लिए थाना और तहसील स्तर पर विशेष समाधान शिविर आयोजित करने को कहा। अध्यक्ष ने घरेलू हिंसा और महिला उत्पीड़न के मामलों में संवेदनशीलता से कार्रवाई करने तथा सभी विभागों को अद्यतन आंकड़ों के साथ दो से तीन दिनों में विस्तृत रिपोर्ट आयोग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य अर्चना मिश्रा, राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता बिंद, मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एनएसजी और यूपी पुलिस का एक माह का संयुक्त प्रशिक्षण शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और आतंकवाद समेत आपातकालीन चुनौतियों से निपटने की तैयारी बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और उत्तर प्रदेश पुलिस का संयुक्त क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को पुलिस लाइंस में शुरू हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। 18 नवंबर से 18 दिसंबर तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में करीब 690 पुलिसकर्मी 10 विशेष पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक, प्रभावी रणनीति, त्वरित निर्णय क्षमता और सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। एनएसजी और यूपी पुलिस का साझा प्रशिक्षण दोनों बलों की परिचालन क्षमता और आपसी समन्वय को नई मजबूती देगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में साइबर थाने स्थापित किए गए हैं। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत 15 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और यूपी–112 की प्रतिक्रिया अवधि में भी सुधार हुआ है।

निर्वाचन सम्बन्धी समस्त प्रक्रियाओं को पूर्ण पारदर्शिता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण करें सम्बंधित अधिकारी'



'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' जिलाधिकारी विगत दिवस स्वामी विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता में ईआरओ नेट के संबंध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में निर्वाचन संबंधी कार्यों की समीक्षा करते हुए ईआरओ नेट पोर्टल के माध्यम से निर्वाचक नामावली से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं को प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया गया। घ्घजिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन तथा मतदाता विवरण से संबंधित प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार समय से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। ईआरओ नेट पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए सभी आवश्यक कार्यवाही निर्धारित समय सीमा में पूर्ण की जाए। घ्उन्होंने कहा कि निर्वाचन से संबंधित कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दीपाली भार्गव, सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज के प्रमुख अधीक्षक डॉ.अरविंद सिंह का प्रयास लाया रंग

मेडिकल कॉलेज को मिलीं दो अत्याधुनिक तकनीको से लैस नई एंबुलेंस



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज के प्रमुख अधीक्षक डॉ. अरविंद सिंह के प्रयासों से मेडिकल कॉलेज को दो नई अत्याधुनिक एंबुलेंस मिल गई हैं।बुधवार को दोनों एंबुलेंस मेडिकल कॉलेज परिसर में पहुंचीं,जिसके बाद से मरीजों और उनके परिजनों में खुशी का माहौल है। दोनों एंबुलेंस में सायरन, इमरजेंसी लाइट, ऑक्सीजन और प्राथमिक उपचार की सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।ये दोनों एंबुलेंस 24 घंटे इमरजेंसी सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगी।मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों की लंबे समय से शिकायत थी कि प्राइवेट एंबुलेंस चालक मरीज को लखनऊ या किसी अन्य हायर सेंटर ले जाने के नाम पर मनमाना किराया वसूलते थे। मजबूरी का फायदा उठाकर अवैध वसूली की जाती थी, जिससे गरीब मरीजों को भारी परेशानी होती थी।अब मेडिकल कॉलेज को अपनी दो नई एंबुलेंस मिलने से मरीजों को इस अवैध वसूली और मनमानी से राहत मिलेगी।मरीजों को अब सरकारी दर पर समय से और सुरक्षित एंबुलेंस सेवा मिल सकेगी।प्रमुख अधीक्षक डॉ. अरविंद सिंह ने बताया कि मरीजों की सुविधा उनकी पहली प्राथमिकता है।नई एंबुलेंस के आने से गंभीर मरीजों को समय पर हायर सेंटर पहुंचाना अब और आसान होगा।अस्पताल प्रशासन के इस कदम की मरीजों और क्षेत्र के लोगों ने सराहना की है।लोगों का कहना है कि इससे अयोध्या ही नहीं,बल्कि आसपास के जिलों के मरीजों को भी सीधा लाभ मिलेगा।

पंच कोसी परिक्रमा में शिवाय हॉस्पिटल द्वारा इलाज व दवा का लगाया गया शिविर

प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने फीता काट के किया सुभारम्भ

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। अयोध्या में पंचकोसी परिक्रमा में आये श्रद्धालुओं की सेवा हेतु आयोजित निःशुल्क दवा वितरण कैंप का मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर शुभारंभ एवं उद्घाटन प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय द्वारा किया गया।इस अवसर पर डा आशुतोष उपाध्याय और डॉ दुबे सहित तमाम लोग शामिल रहे।इस पुनीत सेवा कार्य का दिव्य संयोजन



अयोध्या के प्रतिष्ठित शिवाय हॉस्पिटल द्वारा किया गया।श्रद्धालुओं की सेवा,स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति शिवाय हॉस्पिटल की यह सराहनीय पहल अत्यंत प्रशंसनीय है।इस पुनीत आयोजन के लिए शिवाय हॉस्पिटल की पूरी टीम का हृदय की गहराइयों से हार्दिक आभार एवं धन्यवाद।प्रभु श्री राम की कृपा आप सभी पर सदैव बनी रहे तथा सेवा और समर्पण का यह भाव निरंतर आगे बढ़ता रहे।

सपा के रोड शो में शामिल जेसीबी की चपेट में आने से भाजपा नेता के बेटे की मौत

गोरखपुर, (संवाददाता)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के रोड शो में शामिल जेसीबी की चपेट में आने से बुधवार दोपहर भाजपा नेता ओंकार सिंह के 14 वर्षीय बेटे आर्य वर्धन सिंह की मौत हो गई। हादसे में कार्रवाई में देरी का आरोप लगाकर परिजनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने शाम करीब छह बजे झारखंडी मोड़ पर गोरखपुर–देवरिया मार्ग जाम कर दिया। इससे दोनों तरफ करीब तीन किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। आवास विकास कॉलोनी, झारखंडी निवासी ओंकार सिंह भाजपा के चुनाव आयोग संपर्क विभाग के जिला सह संयोजक हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार दोपहर करीब दो बजे उनका बड़ा बेटा आर्य वर्धन पैदल चौराहे पर बहन समृद्धि को लेने जा रहा था। इसी दौरान रोड शो में शामिल जेसीबी की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोग उसे आनन–फानन एम्स ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। आर्य वर्धन केंद्रीय विद्यालय नंदानगर में कक्षा 10 का छात्र था। बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। हादसे नाराज परिजनों ने पुलिस पर कार्रवाई में देरी का आरोप लगाते हुए झारखंडी मोड़ पर गोरखपुर–देवरिया मार्ग जाम कर दिया। जाम की सूचना पर डीएम दीपक मीणा, एसएसपी डॉ. कौस्तुभ और एसपी सिटी निमिष पाटील समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। कई थानों की पुलिस फोर्स भी तैनात रही। ओंकार सिंह ने रोड शो में जेसीबी शामिल कराने वाले आयोजक और चालक के खिलाफ कार्रवाई के साथ झारखंडी गेट के पास ब्रेकर बनवाने की मांग की। डीएम ने मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजनों और कार्यकर्ताओं ने करीब आठ बजे धरना समाप्त कर दिया और यातायात बहाल हो सका। इधर, हादसे के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव,क्षेत्रीय विधायक ई. सरवन निषाद ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया।

उत्तर प्रदेश विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2027 के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में ईवीएम प्रदर्शन केन्द्र का किया शुभारम्भ'



'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' उत्तर प्रदेश विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2027 के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट परिसर में जिला निर्वाचन कार्यालय, हरदोई द्वारा संचालित ईवीएमध्वीवीपैट प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत ईवीएम प्रदर्शन केन्द्र का शुभारम्भ जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने किया। उन्होंने ट्रेनिंग हेतु स्थापित ईवीएम मशीन के माध्यम से मतदान की सम्पूर्ण प्रक्रिया को देखा तथा वोट डालकर वीवीपैट की कार्यप्रणाली को भी देखा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस केन्द्र का मुख्य उद्देश्य आम मतदाताओं को ईवीएम एवं वीवीपैट की कार्यप्रणाली के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी देना है, ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार का भ्रम अथवा संशय न रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि इस प्रदर्शन केन्द्र पर कोई भी मतदाता आकर ईवीएम से मतदान करने की प्रक्रिया को समझ सकता है तथा मशीन में स्वयं मतदान करके भी देख सकता है। वीवीपैट से निकलने वाली पर्ची के माध्यम से मतदाता अपने मत की पुष्टि भी कर सकेगा। यहाँ प्रशिक्षित कार्मिकों द्वारा मतदाताओं को ईवीएम के सम्बन्ध में सम्पूर्ण जानकारी भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया की इसके साथ ही जनपद के विभिन्न तहसील, ब्लॉक एवं विद्यालयों में भी जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने सभी मतदाताओं, विशेषकर युवा एवं पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से अपील की है कि वे इस प्रदर्शन केन्द्र पर अवश्य आएं और मतदान प्रक्रिया को समझें। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण हेतु रखे गए ईवीएम के वेयरहाउस का निरीक्षण भी किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों के संचालन की स्थिति आदि का गहनतापूर्वक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित मानकों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। उन्होंने कहा सीसीटीवी कैमरे निरन्तर संचालित रखे जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दीपाली भार्गव, नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर के दो प्रमुख शिक्षण संस्थानो में यातायात

प्रयागराज, (संवाददाता)। यातायात माह नवंबर–2026 के तहत डॉन चिल्ड्रेन स्कूल, मुट्ठीगंज और शिवचरण दास कन्हैया लाल इंटर कॉलेज, मीरापुर, अतरसुइया में जागरूकता कार्यक्रम हुए। आयोजन यातायात पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज और उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति, शाखा प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। डॉन चिल्ड्रेन स्कूल में अध्यक्षता प्रधानाचार्य रेनू प्रकाश ने की। विद्यालय परिवार के शिव पाठक, मीणा सहगल, आरती मिश्रा, नीताधर, प्रशांत, अरुण मिश्रा, सानिया वार्मिक और मुस्कान अग्रवाल का सहयोग रहा। शिवचरण दास कन्हैया लाल इंटर कॉलेज में मुख्य अतिथि अपर नगर आयुक्त सौरभ यादव ने जनगणना–क्ष2027 में स्वगणना की प्रक्रिया बताई। निरीक्षक पवन कुमार पांडेय ने यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा की जानकारी दी। सब–इंस्पेक्टर इंजीनियर जयप्रकाश सिंह ने साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी और बचाव के उपाय बताए। कार्यक्रम में अजीत कुमार सिन्हा, विशाल श्रीवास्तव, अर्जुन सिंह, संदीप सोनी, संजय उपाध्याय, राजेश खन्ना निषाद, आर.ए. फारूकी, श्वेता शर्मा, कल्लू और निशिकांत श्रीवास्तव का सहयोग रहा।

एआई के दौर में पठन–पाठन संस्कृति एवं पुस्तकालयों की भूमिका

प्रयागराज, (संवाददाता)। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अवसर पर कुलभास्कर आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, प्रयागराज परिसर में सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत आज उत्तर प्रदेश पुस्तकालय संघ, प्रयागराज शाखा द्वारा "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में पठन–पाठन संस्कृति एवं पुस्तकालयों की भूमिका" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह प्रतिवर्ष 14 से 20 नवंबर तक मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य पुस्तकालय संस्कृति, पठन अभ्यास एवं ज्ञान की साझेदारी को प्रोत्साहित करना है।

घर बैठे कहीं से भी कर सकेंगे स्वगणना, नहीं होगी परेशानी – वैशाली शुक्ला

गोरखपुर, (संवाददाता)। जनगणना के लिए अब लोगों को घर पर प्रगणक के पहुंचने का इंतजार नहीं करना होगा। वे घर बैठे या देश में कहीं से भी ऑनलाइन स्वगणना कर सकेंगे। इसके लिए 16 से 30 नवंबर तक का समय निर्धारित किया गया है। बुधवार को अमर उजाला के सिटी ऑफिस में आयोजित संवाद में स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर वैशाली शुक्ला और असिस्टेंट डायरेक्टर शैलेंद्र कुमार ने 28 लोगों को स्वगणना की पूरी प्रक्रिया समझाई। इसमें शिक्षक, अधिवक्ता, व्यापारी और विद्यार्थी शामिल हुए। स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर वैशाली शुक्ला ने प्रोजेक्टर के माध्यम से ऑनलाइन स्वगणना की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से बताई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने 16 नवंबर को स्वगणना का शुभारंभ किया है। इसके लिए संबंधित वेबसाइट पर जाकर सबसे पहले राज्य का चयन करना होगा। इसके बाद मोबाइल नंबर दर्ज करने पर ओटीपी आएगा। कैप्चा भरने और भाषा चुनने के बाद लोकेशन का सत्यापन करना होगा। फिर जिला, शहर या गांव का चयन कर मैप पर अपना पता सुनिश्चित करना होगा। इसके बाद परिवार के मुखिया और सभी सदस्यों के नाम, जन्मतिथि सहित कुल 76 सवालों के जवाब देने होंगे।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षको ने 12 सूत्रीय मांगों को लेकर किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

बांदा, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय आह्वान पर बुधवार को जनपद के शिक्षकों ने अपनी लंबित और न्यायोचित मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष अखिलेश कुमार पांडेय के नेतृत्व में विभिन्न विकासखंडों से आए शिक्षक–शिक्षिकाओं ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सामने स्थित पुरानी कोतवाली परिसर में एकत्र होकर धरना दिया और हुंकार भरी। प्रदर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री को संबोधित 12 सूत्रीय ज्ञापन सदर एसडीएम अजय यादव को सौंपा गया। इसके साथ ही बीएसए को संबोधित ज्ञापन संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों को दिया। पुरानी कोतवाली परिसर में आयोजित धरना सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अखिलेश कुमार पांडेय ने कहा कि आज का यह प्रदर्शन केवल विरोध नहीं, बल्कि शिक्षक समाज के स्वाभिमान और अधिकारों की सामूहिक आवाज है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि शिक्षकों की लंबे समय से लंबित मांगों की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मांगों का सकारात्मक समाधान होने तक संगठन का यह लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रहेगा। सभा के दौरान वक्ताओं ने कहा कि शिक्षकों को लगातार गैरशैक्षणिक कार्यों और अनावश्यक प्रशासनिक दबाव में उलझाया जा रहा है। जिससे पठन पाठन प्रभावित हो रहा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों को इन कार्यों से मुक्त कर अनुकूल वातावरण मिलना आवश्यक है। मांगों में पुरानी पेंशन योजना की बहाली, 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त, पदोन्नति में टीईटी की बाध्यता समाप्त कर प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक के रिक्त पदों पर पदोन्नति, एसटीएफ जांच के आदेश तत्काल निरस्त करने, 12 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले परिषदीय शिक्षकों को चयन वेतनमान, विशेष श्रेणी के अंतर्जनपदीय स्थानांतरण की लंबित सूची जारी हो ।

चित्रकूट में सम्मानित हुए प्रबुद्ध नागरिक, संत-महात्मा

बांदा, (संवाददाता)। सनातन शोध संस्थान एवं पर्यावरण गतिविधि द्वारा आयोजित संत सम्मेलन में श्री कामदगिरि प्रमुख द्वार के उप पीठाधीश्वर मदन गोपाल दास, प्रख्यात भागवताचार्य नवलेश दीक्षित सहित चित्रकूट धाम के संत महात्माओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रान्तों से राष्ट्रीय पर्यावरण गतिविधि के पदाधिकारी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक उपस्थित रहे। साथ ही चित्रकूट धाम के पांच प्रबुद्ध नागरिकों को संस्थान की ओर से चित्रकूट गौरव सम्मान दिया गया।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए नकारात्मकता से दूर रहें छात्र– डा. नवरास जैदी



सुलतानपुर, (संवाददाता)। कमला नेहरू संस्थान के फरीदीपुर परिसर स्थित इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट में नव प्रवेशित छात्र छात्राओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को देखते हुए मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वक्ता डा. नवरास हसन जैदी ने छात्र छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के संवर्धन के तरीकों के बारे में समझाया। उन्होंने अपने उद्बोधन में छात्रों को जीवन में हमेशा नकारात्मकता से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्र छात्राओं से कहा कि कोई भी कार्य करने से पहले उस कार्य के लिए अपने अन्तर्मन सेष्क्यों श् का उत्तर ढूंढें, तभी वह कार्य करें। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया और बताया कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है अतरू सर्वप्रथम शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्र छात्राओं का दैनिक रुप से अखबार पढ़ने की आदत डालनी चाहिए तथा अपने समय प्रबंधन पर ध्यान देना चाहिए तभी वे सफलता की तरफ अग्रसर हो सकेंगे। संस्थान के निदेशक प्रो.(डा.) डी. एस. पुन्डीर ने छात्र छात्राओं को बताया कि मानसिक स्वास्थ्य सही रहने पर ही वे हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। मेकैनिकल इंजीनियरिंग संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो. ए. के. सिंह ने डा. नवरास जैदी का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक मनोज भार्गव ने उपस्थित अतिथि को धन्यवाद ज्ञापित कियाद्य संस्थान के डीन एकेडमिक रत्नेश सिंह ने उपस्थित अतिथि का आभार व्यक्त किया। संस्थान के प्रबंधक एवं नगर विधायक विनोद सिंह ने इस कार्यक्रम में सभी छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए आयोजक मंडल को बधाई दी। आज के कार्यक्रम में बी. टेक. प्रथम वर्ष के सभी छात्र छात्राओं सहित प्रबंध तन्त्र से अवधेश सिंह, महेंद्र प्रताप सिंह, सभी विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक सरस प्रकाश सिंह, अमी श्रीवास्तव, ताजीम फातिमा, वैष्णवी सिंह, आदि उपस्थित रहे।

अब घर बैठे जमा होगा डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र, पेंशनरों को कोषागार की बड़ी सुविधा

सुलतानपुर, (संवाददाता)। कोषागार से पेंशन प्राप्त करने वाले बुजुर्गों और पारिवारिक पेंशनरों को अब जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए कोषागार के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। शासन की ओर से दी जा रही डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) की सुविधा के माध्यम से पेंशनर घर बैठे ही अपना जीवन प्रमाण पत्र ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। इस संबंध में वरिष्ठ कोषाधिकारी दीपक कुमार तिवारी ने बताया कि शासनादेश के अनुपालन में कोषागार सुलतानपुर से पेंशन पाने वाले सभी पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा का लाभ उठाना चाहिए। इसके लिए जीवन प्रमाण पोर्टल और ऐप की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि पेंशनर नजदीकी साइबर कैफे, सुविधा केंद्र या कंप्यूटर व इंटरनेट की मदद से जीवन प्रमाण पोर्टल पर जाकर अपना डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनवा सकते हैं। इसके लिए पोर्टल पर का चयन करना होगा। इसके अलावा स्मार्टफोन के जरिए भी घर बैठे यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। इसके लिए मोबाइल में आधार फेस आरडी और जीवन प्रमाण ऐप डाउनलोड कर ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। डिजिटल प्रमाण पत्र बनाने के लिए आधार कार्ड नंबर, पीपीओ नंबर, पेंशन बैंक खाते का नंबर, आईएफएससी कोड और मोबाइल नंबर की आवश्यकता होगी। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि यह सुविधा पेंशनरों के लिए काफी सुविधाजनक है। इससे उन्हें बार–बार कोषागार जाने की परेशानी से राहत मिलेगी। जो पेंशनर स्वयं ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी नहीं कर सकते, वे नजदीकी बैंक शाखा या डाकघर के कर्मचारियों की मदद ले सकते हैं। उन्होंने सभी पेंशनरों से अपील की कि वे इस डिजिटल सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और समय से अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करें।

मतदाता पुनिरीक्षण अभियान को लेकर भाजपा की हुई बैठक

बांदा, (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी की कर्वी विधानसभा की जिला पंचायत सभागार एवं मानिकपुर विधानसभा की ब्लॉक सभागार रामनगर में जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य की अध्यक्षता व जिला प्रभारी संजीव श्रृंगीऋषि तथा विधानसभा प्रभारी भगवती शरण शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की कार्यशाला संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य रूप से पूर्व सांसद भैरो प्रसाद मिश्रा, आरके सिंह पटेल, पूर्व मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, पूर्व विधायक आनंद शुक्ला, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चंद्रप्रकाश खरे, आनद त्रिपाठी, जगदीश गौतम, डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल, नगर पालिका चेयरमैन नरेंद्र गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख सुशील द्विवेदी, सुशीला वर्मा उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए ।

प्राथमिक शिक्षक संघ का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन सम्पन्न

सुलतानपुर, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ शाखा सुल्तानपुर अध्यक्ष दिलीप पाण्डेय के नेतृत्व में शिक्षकों की 12 सूत्री समस्याओं को लेकर के प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन और विज्ञापन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। तिकोनिया पार्क में इकट्ठा हुए सैकड़ो शिक्षकों ने पुरानी पेंशन बहाली, 2004 विबीटीसी पुरानी पेंशन, टेट अनिवार्यता, शिक्षकों के शैक्षिक अभिलेख का टास्क फोर्स द्वारा सत्यापन, जनपद के सभी विद्यालयों में प्रधानाध्यापक पद पर पदोन्नति, ब्रिज कोर्स में न्यूनतम 50: अंक अर्जित करने की बाध्यता, मृतक आश्रित शिक्षकों के योग्यता धारी पाल्य को शिक्षक पद पर नियुक्ति का आदेश, शत प्रतिशत प्रोन्नत वेतनमान दिए जाना, विद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, सफाई कर्मचारी, चौकीदार की नियुक्ति, शीतकालीन अवकाश में अंतर्जनपदीय और पारस्परिक स्थानांतरण प्रक्रिया, द्वितीय शनिवार और उपार्जित अवकाश अनुमन्य किए जाने आदि के संबंध में 12 सूत्रीय मांगपत्र के माध्यम से जिलाधिकारी द्वारा माननीय मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया गया। प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों को संबोधित करते हुए जनपदीय मंत्री डॉ एच बी सिंह ने आने वाले समय को संक्रमण काल बताते हुए शिक्षकों से हर संघर्ष के लिए एकजुट रहने का आवाहन किया।

जनगणना–2027 को लेकर मीडिया कार्यशाला आयोजित

सुलतानपुर, (संवाददाता)। जनगणना–2027 के सफल संचालन और स्वगणना के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राकेश सिंह सहित।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।